

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल मु.उ.पु. 24 पृष्ठ  
कार्यालयीन उपयोग के लिए निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।



परीक्षा के नाम की सील

हायर सेकेंडरी परीक्षा

केन्द्र क्रमांक की सील

केन्द्र क्रमांक 410001

पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में 2 अंकों में दी

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कहा क्रमांक 12 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

1. विषय कोड 320 परीक्षा का विषय इतिहास

2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 14/08/09

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर कोड सेट  
(सेट A B C या D) कोड नम्बर 1-19 20

उत्तरपुस्तिका का क्रमांक K 3289623

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)  
2 9 4 1 1 9 3 7 9

नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :-

B  
S  
E  
M  
P

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक)

नाम Yash Chhifer पद Teacher

पता/संस्था Tereta Public School

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक	प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक	प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक
1	3		11	13		21		
2	3		12	15		22		
3	4		13	17		23		
4	4		14	19		24		
5	5		15	19		25		
6	5		16	21		26		
7	7		17	23		27		
8	8		18	26		28		
9	9		19	27		29		
10	11		20	29		30		
कुल प्राप्तांक								

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या मूल्यांकन के समय सट वस्था स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गया है। मैंने सभी प्रश्नों के उत्तर पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कवर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं योग पूर्णतः सही है।

इ हैं। होलोग्राफ्ट स्टीकर न्या है। उत्तर

हस्ताक्षर (परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक 92 2017

हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक)

दिनांक

हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

दिनांक

### परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न-पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :-

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छ	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कवर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

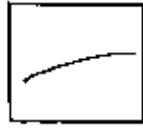
### परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाएँ मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

### मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाएँ मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौंपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाएँ पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौंपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3



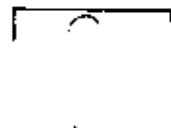
योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 3 के अंक

-



कुल अंक



B  
S  
E  
M  
P

प्रश्नकृमांक (11) उत्तर

(अ) ₹ 000 ✓

(ब) दोनों में से कोई भी ✓

(ग) कम ✓

(द) इनमें से कोई नहीं ✓

(इ) कृत्रिम संपत्ति ✓

~X~

प्रश्नकृमांक (12) उत्तर

(अ) असे साझेदार के प्रवेश पर :- फर्म का पुनर्गठन ✓

(ब) लैब्रंजन प्रमाण - 10 का संबंध :- नाममात्र का स्वामी  
स्वामिनी

पुनर्गठन खाता :- नाममात्र का खाता

अवितरित लाभ :- पुनर्गठन साझेदारों के पूंजी खाते  
में जाता

(ग) साझेदार के अवकाश सहण पर :- फर्म का अनुपात ✓

~X~

4

यां ग पूर्व पृष्ठ

+ पृष्ठ 4 के अंक =

कुल अंक



प्रश्न क्रमांक (3) उत्तर

(i) असत्य ✓

(ii) असत्य ✓

(iii) सत्य 2

(iv) सत्य ✓

(v) असत्य ✓

X

प्रश्न क्रमांक (4) उत्तर

(i) असामान्य हानि खाले में

(ii) कुमिशिन ✓

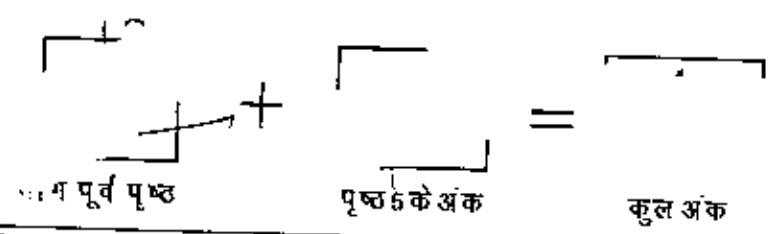
(iii) बिचर पूंजी शक्ति प्रकृति ✓

(iv) राज बकाता 2

B  
S  
E  
M  
P

पृष्ठ :  
दिनांक :

5



(iv) लीसरे महिने

प्रश्न क्रमांक (5) उत्तर

(i) प्रेषक का

(ii) साझेदारों की पूंजी खातों में

(iii) आशावादी अनिवार्य विधतन

(iv) पुराने लाभालाभ अनुपात में

(v) रजिस्टर्ड तयणपत्र

वतण्ड - " व "

प्रश्न क्रमांक (6) उत्तर

साझेदारी अंतर्वेव की चार बातें :-

P.T.O.

B  
S  
E  
M  
P

7000

6

योग पू.

+

पृष्ठ 6 के अंक

=

कुल अ.



1. कर्म का नाम तथा पता :- खासदार संलेख में कर्म का नाम तथा कर्म के पते का उल्लेख किया जाता है।

2. कर्म की अवधि :- संलेख में कर्म कितनी अवधि के लिए व्यवस्था करेगा, इस बात का भी उल्लेख होता है।

3. लाभ-विभाजन अनुपात :- खासदार कर्म के लाभों का किस अनुपात में बाँटेंगे, इसका उल्लेख भी किया जाता है।

4. धुंजी की मात्रा :- कोई भी खासदार कितनी धुंजी लाइगा, इस बात का उल्लेख खासदार संलेख में होता है।

5. पारिवर्त्मिक :- खासदारों को उनके कार्यों के सततक सम्बन्ध पारिवर्त्मिक दिया जाना या नहीं इसका भी उल्लेख करते हैं।

B  
S  
E  
M  
P

7



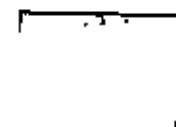
योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 7 के अंक

=



कुल अंक



6. पूंजी, उपाहरण पर प्रतिकार की दर :- कोई  
 पूंजी लाला है, उपाहरण करता है, तो उस पर  
 व्याज की दर आदि का भी उल्लेख किया  
 जाता है

X ~

प्रश्न क्रमांक ( 7 ) उत्तर

अंकों के बट्टे पर निर्गमन संबंधी नियम :-

1. केंद्रीय सरकार की अनुमति :- अंकों का  
 बट्टे पर निर्गमन  
 करने के लिए केंद्रीय सरकार की अनुमति  
 लेना आवश्यक है।

2. बट्टे की अधिकतम दर :- बट्टे की दर किसी  
 भी कीमत पर  
 10% से अधिक नहीं होना चाहिए।

3. अनुमति के दो महीने के भीतर निर्गमन :- केंद्रीय  
 सरकार से  
 अनुमति मिल जाने के दो महीने के भीतर  
 अंकों का निर्गमन करना आवश्यक होता है।

B  
S  
E  
M  
P



पृष्ठ 2 का योग



4. व्यापार प्रारंभ करने के प्रमाण पत्र के एक वर्ष पश्चात् निर्गमन :-

व्यापार प्रारंभ करने के प्रमाण पत्र के एक साल बाद ही अंकों का बट्टे पर निर्गमन किया जा सकता है।

5. प्रविशक से इस संबंध में जानकारी :- बट्टे के पर

निर्गमन के संबंध में प्रविशक से इसके लिखित आवश्यक जानकारी देना जरूरी होता है।

6. केन्द्रीय सरकार की धर्ती लागू :- बट्टे पर निर्गमन के

संबंध में केन्द्रीय सरकार जो भी धर्ती लागू करती है, उनका पालन करना अनिवार्य होता है।

प्रश्न क्रमांक (8) उत्तर

P.T.O.



Journal in the books of Hemraj

B  
S  
M  
P

Particulars	Dr.	Cr.	Rs.	Paise.
(i) Furniture a/c Dr			220,000	
To Vendor's a/c				220,000
(Furniture brought)				
(ii) Vendor's a/c Dr			220,000	
To 10% Debenture a/c				220,000
(10% Debenture issued instead of cash)				
Total			440,000	440,000

प्रश्न क्रमांक (9) उत्तर

वित्तीय विश्लेषण की सीमाएँ :-

1. असंतुल्य एवं अपूर्ण लेखांकन वित्तीय विश्लेषण

1 मिन

10

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

योग पूर्व पृष्ठ                      पृष्ठ      अंक                      कुल अंक



की प्रमुख समस्या होती है, असत्य एवं अपूर्ण समंक । इसके कारण वित्तीय विकल्पों का सही परिणाम प्राप्त नहीं होता ।

2. लेखांकन नीति में भिन्नता :- लेखांकन तकनीकें होती हैं, जिसके हम दूसरे उम्मीदों से सही तुलना नहीं कर पाते हैं।

3. विश्लेषण की भिन्न-2 तकनीकें :- लेखांकन नीति में भिन्नता के साथ-2 विश्लेषण की नीति में भी भिन्नता पाई जाती है।

4. आकड़ों की पुनरूपता का अभाव :- विश्लेषण प्राप्त आकड़ों के आधार पर किया जाता है, परन्तु आकड़ों में ही पुनरूपता का अभाव होता है।

5. पूर्वानुमान में कठिनाई :- विश्लेषण पूर्वानुमान पर आधारित होता है, पूर्वानुमान गलत भी हो सकते हैं।

B  
S  
E  
M  
P

पृष्ठ  
अंक

11

[ ]  
यों ५४ पृष्ठ

+

[ ]  
पृष्ठ 11 के अंक

=

[ ]  
कुल अंक



B  
S  
E  
M  
P

6. व्युत्पात्तक पहलुओं की उपेक्षा :- वित्तीय विवरणों के विश्लेषण में व्युत्पात्तक पहलु जैसे प्रबंध कुशलता, ग्राहक, ईमानदारी आदि पर ध्यान नहीं दिया जाता है।

7. कीमत में परिवर्तन का सम्भाव :- वस्तु की कीमतें परिवर्तित होती रहती हैं जिसका कोई ध्यान वनमें नहीं देखा जाता है।

प्रश्नक्रमांक (10) उत्तर

शेकड प्रवाह विवरण बनाने के उद्देश्य :-

1. शेकड की जानकारी :- शेकड प्रवाह विवरण बनाने से हमें शेकड की जानकारी हो जाती है।

2. भावी शेकड की आवश्यकता का ज्ञान :- शेकड प्रवाह विवरण से हमें भावि में शेकड की आवश्यकता का ज्ञान हो जाता है।

[ ]  
पृष्ठ के अंकों का योग



3. लेखनी का ज्ञान :- शीकड़ प्रवाह विवरण से हमें व्यवसाय की अल्पकालीन दायित्वों का सुगलान करने की क्षमता का पता लग जाता है।

4. प्रबंधकीय दक्षता का आवलोकन :- शीकड़ प्रवाह विवरण से प्रबंध द्वारा लिखे गए निर्णयों की सार्थकता का पता चल जाता है।

5. शीकड़ के ~~कर्तव्य~~, ~~व्यवहार~~ का ज्ञान :- शीकड़ प्रवाह विवरण से हमें शीकड़ में कितनी कुमी, शक्ति हुई है, इसका ज्ञान हो जाता है।

6. शोधन क्षमता का ज्ञान :- शीकड़ प्रवाह विवरण से हमें व्यवसाय की शोधन क्षमता का पता लग जाता है।

OXO

B  
S  
E  
M  
P

13

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 134/137

रक्षा



प्रश्न क्रमांक (11) उत्तर

Calculation of Consignment Stock.

कुल माल	150
- चोरी	25
	125
- विहृत	100
	25

25 परती का लागत मूल्य  $25 \times 3000$  75000

+ प्रैमक के व्ययों का अनु. भाग

100	
15000	$\times 25$
150	1

8500

+ प्रैकरी के व्ययों का अनु. भाग

600	
3000	$\times 25$
125	1
5	

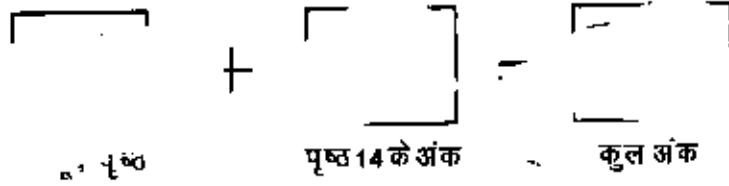
600

Total Stock 78100

B  
S  
E  
M  
P

पृष्ठ 2 का योग

14



### Calculation of Abnormal loss

चोरी हुई परतें	25	
लागत मूल्य	$25 \times 3000$	₹ 75000
प्रेषण के लक्ष्यों का अनुपात		
	$\frac{100}{15000} \times 25$	2500
	<del>150</del>	
	Abnormal loss	₹ 77500

### Calculation of Commission.

General Com. 10%		87500
	$\frac{375000 \times 10}{100}$	
del creditor com. 1%		3750
	$\frac{375000 \times 1}{100}$	
	Total com.	₹ 91250

B  
S  
E  
M  
P

पृष्ठ सं.                      पृ.

15

$$\boxed{\phantom{000}} + \boxed{\phantom{000}} = \boxed{\phantom{000}}$$

यांग पूर्व पृष्ठ                      पृष्ठ 15 के अंक                      कुल अंक



Mumbai Consignment A/c  
in the books of Raja Ram

B  
S  
E  
M  
P

Particular	Amo.	Particular	Amo.
To goods sent on consign. a/c	450000	By Shyopur M.H. (sales)	375000
To Cash a/c (exp.)	15000	By stock with agent	78100
To Shyopur M.H. (exp. + com.)	51750	By Abnormal loss a/c	77500
To Profit transfer to P/L a/c	13850		
	530600		
			530600

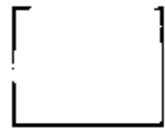
प्रश्न क्रमांक (22) उत्तर

Average Profit = 42000  
Norm Average Pro  
Actual Profit =

16



+



=



11 ग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 16 के अंक

कुल अंक



ऑनलाइन अर्थलाभ का सूचकांक करने :-

$$\frac{\text{ऑनलाइन अर्थलाभ} \times \text{सूचकांक अंक की दर}}{100}$$

=

अधिकलाभ के आधार पर श्रेयता की गणना करने की विधि :-

अधिकलाभ के आधार पर श्रेयता की गणना करने के लिए सर्वप्रथम अधिकलाभ को त्रिकोणाकार किया जाता है। इस विधि को हम 'त्रिकोण चरणा' में संकेत करते हैं :-

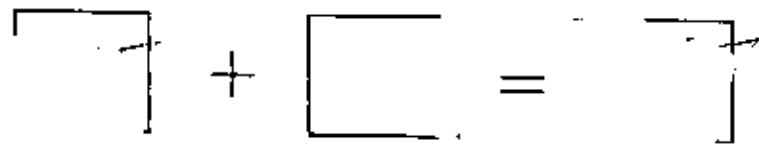
1. अधिकलाभ अर्थात् श्रेयमान्य लाभ पर वास्तविक लाभ का अर्थलाभ।
2. इस बात करने के लिए सर्वप्रथम वास्तविक लाभ में से श्रेयमान्य लाभ को घटाया जाता है।
3. प्राप्त बशि अधिकलाभ उद्घातक है। इस अधिकलाभ के हमसे दुगुने या तीगुने के बराबर (जैसा भी

B  
S  
E  
M  
P

पृष्ठ  
पेज

17

या



पृष्ठ 17 के अंक

कुल अंक



अंशक में निश्चित किया है) श्रमिकों का  
मूल्य आका जाता है।

श्रम :- अधिभार :- वास्तविक लाभ - सामान्य  
लाभ

श्रमिक = अधिभार  $\times$  (श्रमिकों के कुल अंशक)  
का आधार

व्यक्ति प्रकार अधिभार विधि द्वारा श्रमिकों  
को प्राप्त की जाती है।

~~X~~

\* सर्वप्रथम (13) उत्तर \*

श्रम में नये व्यक्ति को सामर्थ्य बनाने के  
कारण :-

1. श्रमिकों की शक्ति :- नये व्यक्ति को  
सामर्थ्य बनाने का मुख्य  
कारण श्रमिकों की शक्ति को पूरा करना होता है।

2. विविध योग्यता :- नया सामर्थ्य बनाने  
का एक कारण श्रमिकों में  
विविध योग्यता वाले व्यक्ति को श्रम में लाना  
भी है।

$$\square + \square = \square$$



B  
S  
E  
M  
P

8. कर्म का व्यवसाय विदेशों में फैलाने के लिए :-

किस तरह  
भी कर्म में जैसे व्यक्ति को साक्षेदार बना लिया जाता है जो विदेशों में भी कार्य करें।

9. साक्षेदार की निष्ठा या मृत्यु की दशा में :-

किसी दशा में भी कर्मचारियों की नियुक्ति की वजाय साक्षेदार की संख्या बढ़ा ली जाती है।

10. कर्मचारियों को प्रोत्साहन संकल्प :- कर्मचारियों को अच्छा

कार्य करने के प्रोत्साहन संकल्प भी उन्हें साक्षेदार बना लिया जाता है।

11. व्यवसाय की प्रगति के लिए :- व्यवसाय की प्रगति के

लिए भी नए साक्षेदार को साक्षेदार बनाते हैं।

12. व्यवसाय की देखरेख के लिए :- व्यवसाय की देखरेख करने के

लिए भी नए व्यक्ति साक्षेदार बनाए जाते हैं।

*[Handwritten signature]*

19

$$\begin{array}{|c|} \hline \square \\ \hline \end{array} + \begin{array}{|c|} \hline \square \\ \hline \end{array} = \begin{array}{|c|} \hline \square \\ \hline \end{array}$$

योग पूर्व पृष्ठ

कुल अंक



प्रश्न क्रमांक (14) उत्तर

Journal (Rama Limited)

B  
S  
F  
M  
P

Particulars	Dr.	Cr.
Share Capital a/c	5000	
To Share Forfeited a/c		3000
To Share allotment a/c		2000
(500 Share forfeited)		
	5000	5000

प्रश्न क्रमांक (15) उत्तर

पृष्ठ सं.  
 का योग

(A) चालुदायित्व एवं प्रावधान :- चालुदायित्वों से आकार्य जैसे दायित्वों से हैं, जो अल्पसमय के होते हैं। अर्थात् वे दायित्व जो 1 वर्ष या उससे कम अवधि के होते हैं। इनमें निम्न को शामिल



करते हैं :-

- चालुदायित्व :-
- (i) बैंक लैनदार
  - (ii) बीपी
  - (iii) अदल बराज
  - (iv) अल्पकालीन ऋण भुंज लोभार
  - (v) बैंक अधिकर्ष
  - (vi) अल्पोवधि के ऋण
  - (vii) न मार्ग वारा लोभार

- प्रावधान :-
- (i) कर्मचारी के लिये प्राविडेंड फण्ड फण्ड
  - (ii) जीवन बीमा पॉलिसी हेतु फण्ड
  - (iii) अशोध्य ऋण हेतु प्रावधान
  - (iv) कर्मचारी दायित्व सिंकीष

(ब) चालुसम्पत्तियाँ, ऋण भुंज आरिभ - इनसे लात्पर्य उन सम्पत्तियाँ से हैं, जी इतिष्ठ ही शैकड में परिवर्तित की जा सकती हैं। या शैकड तुल्य होती हैं।

- चालु सम्पत्तियाँ :-
- (i) बैंक
  - (ii) बैंकदार
  - (iii) बीपी
  - (iv) पूर्वदल बराज
  - (v) बैंक में शैकड
  - (vi) अल्पकालीन ऋण

B  
S  
E  
M  
P



- प्रश्न) एवं उत्तर :- (i) मुख्य साझेदारी कंपनियों के वर्ग प्राप्त किए गए प्रश्न -
- (ii) बैंक से प्रश्न
  - (iii) सर्वदत्त
  - (iv) अत्यावधि से अग्रहीत एवं प्रश्न

प्रश्न क्रमांक (16) उत्तर

साझेदारी के समापन और फर्म के समापन में अंतर

अंतर का आधार	फर्म का समापन	साझेदारी का समापन
1. व्यवसाय का अंत	फर्म के समापन पर व्यवसाय बंद हो जाता है	साझेदारी के समापन पर व्यवसाय बंद नहीं होता है
2. साझेदारी का अंत	फर्म के समापन से साझेदारी अनिवार्य रूप से समाप्त हो जाती है	साझेदारी के समापन से फर्म आवश्यक रूप से बंद नहीं होता है
3. साझेदारों के संबंध	फर्म समापन पर साझेदारों के आवधिक	जबकि साझेदारी के समापन पर साझेदारों के

B  
S  
E  
M  
P

पृष्ठ के नंबर

$$\left[ \quad \quad \right] + \left[ \quad \quad \right] = \left[ \quad \quad \right]$$



यं पृष्ठ संक 3

B  
S  
E  
M  
P

सं०	संबंध दूर जाते हैं	वर्ष संबंध बने रहते हैं
4. बर्खास्त	कर्म के समापन पर वसुली खाता खोला जाता है	आवेदारी के समापन पर पुनर्मूल्यांकन खाता खोला जाता है
5. लैबरा पुस्तक	कर्म के समापन पर सभी लैबरा पुस्तकें अंतिम रूप में बंद कर दी जाती हैं	आवेदारी के समापन पर लैबरा पुस्तकें खोली रहती हैं
6. दशांश	कर्म का विघटन आकास्मिक, अनिर्णय तथा न्यायिक द्वारा हो सकता है	आवेदारी के समापन आदेश के प्रवेश, निवृत्ति, मृत्यु होने आदि दशांश में होता है
7. समापन पर प्रक्रिया	कर्म के समापन पर सम्पत्तियों से वसुली तथा क्षतिवों का भुगतान कर दिया जाता है	आवेदारी के समापन पर क्षतिवों और सम्पत्तियों का पुनर्मूल्यांकन होता है
8. व्यय	कर्म के समापन पर वसुली व्यय होते हैं	आवेदारी के समापन पर व्यय नहीं होते हैं

पृष्ठ सं संको

*[Handwritten signature]*



संशोधनालय (17) उमर

Journal Entry

B  
S  
E  
M  
P

Particulars	Dr.	Cr.
Bank a/c <del>Dr.</del>	30,000	
To Share Application a/c (Application money received)		30,000
Share application a/c <del>Dr.</del>	30,000	
To Share Cap a/c (Application money due)		30,000
<del>Bank a/c Dr.</del>		
<del>To Sh.</del>		
Share allotment a/c <del>Dr.</del>	90,000	
To Share Capital a/c		40,000
To Share Premiums a/c		50,000
(Allotment money due with Premiums)		

एच के अरी का.



B  
S  
E  
M  
P

$\frac{20000 \times 25}{125}$   
 4000

$\frac{250000 \times 12}{100}$   
 40000

42000

$\frac{30000 \times 150}{30000 \times 150}$   
 450000

$\frac{375000}{78100}$   
 47500

10500  
 41250  
 51750

53016 00  
 5167 50  
 13850

$\frac{450000}{150000}$   
 51750  
 516750

$\frac{7000}{50}$   
 350000

$\frac{7000}{20}$

$\frac{200}{6000}$

$\frac{7000}{20}$   
 140000

6  
 पृष्ठ के अंक का योग

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल



परीक्षक के लिये  
स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

1. केन्द्र की सील केन्द्र क्र. 418001

2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक 14-3-09

3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

4. केन्द्र क्रमांक

6. परीक्षा का नाम

7. विषय B. माध्यम

8. दिनांक

पृष्ठ



B  
S  
E  
M  
P

Bank a/c	Dr.	90000	
To Share allotment a/c			90000
( allotment money received with premium )			
Share Call a/c	Dr.	30000	
To Share Capital a/c			30000
( Share call money due )			
Bank a/c	Dr.	29700	
Call increase a/c	Dr.	300	
To Sh. Call a/c			30000
( Share call money received but 100 share did not give money )			
	Total	300000	300000

पृष्ठ के अंकों का

996

2

76

00

=

76

पृष्ठ 2 के अंक

कुल अंक



11.8

प्रवेशकर्मियों (18) उत्तर

Journal (Hemq.)

Particulars	Dr.	Cr.
Bank a/c Dr.	350,000	
To 5% debenture applications (application money received)		350,000
5% debenture application a/c Dr.	350,000	
To debenture a/c (application money due)		350,000
5% debenture allotment a/c Dr.	14,000	
Discount on issue of deb. a/c Dr.	7,000	
To debenture a/c (allotment money due with discount)		21,000
Bank a/c Dr.	1,44,000	
To debenture allot. a/c		14,000
To Calls in advance a/c (allotment money received with advance)		4,000

B  
S  
E  
M  
P

60

पृष्ठ के अंकों का योग

3

76

योग पूर्व पृष्ठ

+

6

पृष्ठ 3 के अंक

=

82

कुल अंक



B  
S  
E  
M  
P

5% debenture call a/c	Dr.	140,000	
<del>calls in advance a/c</del>	<del>Dr.</del>	<del>4,000</del>	
	To debenture a/c		140,000
( debenture call money due )			
Bank a/c	Dr.	136,000	
calls in advance a/c	Dr.	4,000	
	To debenture call a/c		140,000
( call money received )			

-X-

प्रश्न क्रमांक (19) उत्तर

लक्ष्मिता अनुपात :- लक्ष्मिता अनुपात वह अनुपात होता है, जो किसी व्यवसाय के अल्पकालीन वित्तीय स्थिति को संकट करता है। अर्थात् व्यवसाय अपने अल्पकालीन दायित्वों का भुगतान करने की दायता रखती है, अथवा नहीं। या फिर वह कीतनी लक्ष्मिता से अपने दायित्वों का भुगतान करती है, इसे ही लक्ष्मिता

6

पृष्ठ के अंकों का योग

728

4

92

योग पूर्व पृष्ठ

+

00

पृष्ठ 4 के अंक

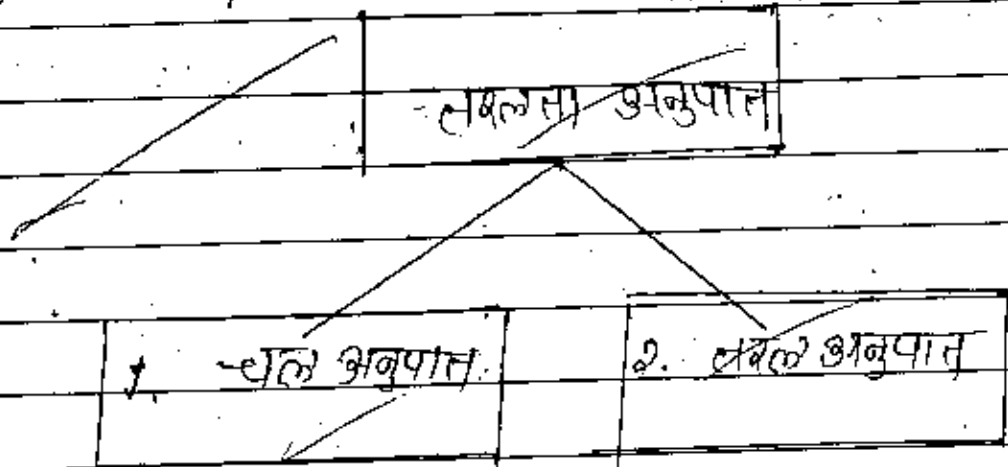
=

82

कुल अंक



अनुपात कहते हैं



B  
S  
E  
M  
P

चल अनुपात :- चल अनुपात, चल सम्पात्तियों और चल दायित्वों के मध्य संबंध स्थापित करता है। चल अनुपात कि तब मान लिया जाता है कि क्या संख्या के फल पर्याप्त होकर हैं, जो वह दायित्वों का भुगतान कर सकेंगी।

प्रश्न :- चल सम्पात्ति  
चल दायित्व

लंबल अनुपात :- लंबल अनुपात, लंबल सम्पात्तियों और चल दायित्वों के मध्य संबंध स्थापित करता है। लंबल अनुपात में लाभार्थक उस अनुपात में है जो यह दर्शाता है कि कंपनी/फिरम की लक्षिता के साथ अपने दायित्वों का भुगतान करेगी।

2

पृष्ठ के अंकों का योग

1. केन्द्र की सील 418001

2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक  
Ganesh 14-3-09

3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

4. केन्द्र क्रमांक

6. परीक्षा का नाम

7. विषय

8. माध्यम

8. दिनांक

पृष्ठ

~~82+6~~ = ~~88~~ 86



परीक्षक के लिये  
स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का  
सरल क्रमांक

818105

1. परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	4	1	1	9	3	4	9
---	---	---	---	---	---	---	---	---

2. नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :-

--	--	--	--	--	--	--	--	--

82+6 = 88  
अंश :- सरल सम्पात्तियों  
चाल दायित्व

B  
S  
E  
M  
P

संक्रमांक (20) उत्तर

कार्यशील पूंजी में वृद्धि या कमी को निर्धारित करने के लिए आवश्यक जानकारी :-

1. कार्यशील पूंजी से लायर्स चालु सम्पात्तियों और चालु दायित्वों के अंतर से होता है

2. स्वप्रथम चालु सम्पात्तियों में दो वर्ष के स्थिति विवरणों के अंतर की रकम बात की जाती है तथा उसे इनकवर्ड अथवा Decoded के कालम में लिखा जाता है

4/8

पृष्ठ के अंकों का योग



2018-18

Q9.  $\rightarrow$  लक्षणात् चालु दायित्वां के अंतर को रकम  
 ज्ञात करके, (दो स्थिति विकरणों की रकमों का अंतर)  
 इसे increase होने पर decrease के कॉलम में  
 तथा decrease होने पर increase के कॉलम  
 में लिखा जाता है।

Q4.  $\rightarrow$  अ लक्षणात् increase decrease की रकम से  
 पहले वाले पक्ष के शेष को आधार मानकर  
 प्रतिशत ज्ञात करते हैं।

Q5.  $\rightarrow$  प्रतिशत के आधार पर ज्ञात करते हैं कि  
 चालु सम्पत्ति एवं चालु दायित्व में कमी  
 या वृद्धि ज्ञात कर ली जाती है।

Q6.  $\rightarrow$  चालु सम्पत्तियों में BAR, बटले, ईनदार,  
 आदि को तथा चालु दायित्वों में BAR  
 लैनदार आदि को शामिल करते हैं।

X

B  
S  
F  
N  
E



B  
S  
E  
M  
P

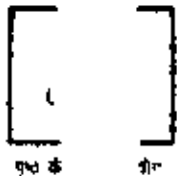


एन के अकेरे का योग

4



B  
S  
E  
M  
P



*[Handwritten scribble]*

*[Handwritten mark]*